Dr. Sunil Kr. "Suman"
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. college Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part - II (H)
Paper - III
Date - 24-9-20
To Next class

Models of Psychology

Psychopathologies of Everyday Life
दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ

(2)
(3) लिखने की भूलें (Slip of Pen) :- लिखने की भूलें भी हमारे दैनिक जीवन की सामान्य भूलों में से एक है। ऐसी भूलों में लिखना कुछ चाहता है और लिख कुछ देता है। लिखने की भूलों में इसके अलावा अन्य भूलें जैसे अधिक शब्द लिख देना, सही शब्द के बदले विपरीत शब्द लिखना देना आदि अन्य शाब्दीया। ऐसी गलतियों पर ध्यान न देना या ध्यान बंट जाना भाषा ज्ञान का अभाव माना गया है। फ्रायड ने विश्लेषणात्मक सबूत (analytical Evidence) देकर यह साबित कर दिया कि लिखने की भूलें भी अचेतन के दमित इच्छाओं के कारण ही होती है। एक नर्स का किसी डॉक्टर से प्रेम हो गया था परन्तु डॉक्टर द्वारा नापसंद किए जाने के कारण उसे डॉक्टर को भूल जाना पड़ा। उसने डॉक्टर को एक पत्र लिखा जिसमें उसने 'Doctor' के जगह 'Dear' लिखा। इस भूल के माध्यम से नर्स ने डॉक्टर के प्रति अचेतन में संचित प्रेम प्रदर्शित किया। एक बार पटना विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष अपने ससुर के मृत्यु हो जाने पर कुलपति को आकस्मिक छुट्टी (casual leave) के लिए आवेदन में लिखा की "चूंकी आपके श्वसुर की मृत्यु हो गई है, इसलिए हमें आकस्मिक छुट्टी पर जाने की इजाजत दी जाय" जबकी उसे लिखना था "चूँकी मेरे श्वसुर की मृत्यु हो गयी है। इसलिए आकस्मिक छुट्टी एक दुःखद

समाचार था जो अचेतन में दमित हो गयी थी। अचेतन की वह इच्छा लिखने की भूल में प्रकट हुई। ब्राउन (Brown, 1969) ने एक मित्र का उदाहरण दिया है - उस मित्र की इंग्लैंड जाने की इच्छा थी, लेकिन कुछ कारण वश उसे शिकागो जाना पड़ा। उसने शिकागो से ब्राउन को लिखा "I am so glad that I am coming to see you soon" "और लिफाफा पर लिखा था "To Mr... chicago England" स्पष्ट है कि इंग्लैंड जाने की इच्छा लिफाफे पर गलत पता लिखने की भूल में प्रकट हुई। ब्राउन (Brown, 1969) ने एक दूसरा उदाहरण दिया है कि जिसमे डॉ० कार्ल मेनिंगर (Dr. Karl Menninger) ने किसी कार्य से एक व्यक्ति के घर पर मिलने गया था लेकिन उस व्यक्ति ने डॉ मेनिंगर मे कोई रुचि नहीं दिखलाई मात्र एक साधारण व्यक्ति के रूप में व्यवहार किया। मेनिंगर ने वापस आने के बाद उस व्यक्ति को एक धन्यवाद पत्र लिखा "मैं आपको धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूँ क्योंकि मेरे सम्मान में आपने कोई शिष्टता नहीं दिखलाई" ("I wish to thank you for any courtsies which you extended to me")" लेकिन सचमुच में वे लिखना चाहते थे "मैं आपको धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूँ क्योंकि मेरे सम्मान मे आपने काफी शिष्टता दिखलाई" ("I wish to thank you for many courtsies you extended to me") स्पष्ट है कि डॉ मेनिंगर उस व्यक्ति के उदासीन व्यवहार के प्रति आभार प्रकट करने की इच्छा नहीं रखते थे। इसीलिए अचेतन रूप से उन्होंने 'many courtsies' के स्थान पर 'any courtsies' लिख दिया।

Next class